मेरी लगती न हरि बिन अंखियां

मेरी लगती न हरि बिन अंखियां,
हे मेरी लगती न हरि बिन अंखियां।

अंखियां, हे री सखी अंखियां,
हे मेरी लगती न हरि बिन अंखियां।

मैं भी रंगाई संग हरि भी रंगाया,
मैं भी रंगाई संग हरि भी रंगाया।

और रंगाई सारी सखियां,
सखी री लगती न हरि बिन अंखियां।
हे मेरी लगती न हरि बिन अंखियां।

मैं भी जगाई संग हरि भी जगाया,
मैं भी जगाई संग हरि भी जगाया।
और जगाई सारी सखियां,
सखी री लगती न हरि बिन अंखियां।
हे मेरी लगती न हरि बिन अंखियां।

ज्ञान का दीपक मेरे श्याम जलाया,
श्याम ने जलाया, मेरे श्याम ने जलाया।
घोर अंधेरा काटणिया,
मेरी लगती न हरि बिन अंखियां।
हे मेरी लगती न हरि बिन अंखियां।

अंखियां, हे री सखी अंखियां,
हे मेरी लगती न हरि बिन अंखियां।

Singer - LAdIa Mohit

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36620/title/meri-lagti-na-hari-bin-ankhiya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |